जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

3 मई 2024

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के अर्थशास्त्र विभाग ने वार्षिक एडुटेनमेंट उत्सव "इकोक्रेसी" मनाया।

दिनांक 29 अप्रैल, 2024 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया के अर्थशास्त्र विभाग ने अपना वार्षिक शैक्षणिक और सांस्कृतिक उत्सव जिसे 'इकोक्रेसी' के नाम से जाना जाता है, बहुत ही उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया। "एक सतत भविष्य की कल्पना" थीम पर 3डी मॉडलिंग प्रतियोगिता, "ग्लोबल इकोनॉमी" थीम पर वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता हुई और इसके साथ शतरंज, वीडियो गेमिंग, ट्रेजर हंट, पिक्शनरी प्रतियोगिता इकोक्रेसी 2024 के कुछ आकर्षण थे।

एक आशु भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें जामिया के कई विभागों और केंद्रों ने भाग लिया। आशु भाषण के मुख्य विषय इस प्रकार रहे - 1. क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक खतरा अथवा एक अवसर है ; 2.भारत में शिक्षा का बदलता परिदृश्य (नई शिक्षा नीति 2020); 3.भारत की आर्थिक वृद्धि को आगे बढ़ाने में स्टार्टअप की क्षमत; 4.राजनीतिक भ्रष्टाचार और आर्थिक विकास पर इसका प्रभाव; 5.जलवायु परिवर्तन और आर्थिक नीति: शमन और अनुकूलन हेतु रणनीतियाँ; 6. वित्त के भविष्य को आकार देने में क्रिप्टोकरेंसी की भूमिका; 7. आय असमानता: कारण, परिणाम और संभावित समाधान आदि । आशु भाषण प्रतियोगिता का मूल्यांकन जामिया के अंग्रेजी विभाग के डॉ. रूमी नकवी द्वारा किया गया। इकोक्रेरी 2024 में पर्याप्त शैक्षणिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन चीजें शामिल थीं ।

कार्यक्रम की शुरुआत जामिया के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो अशरफ इलियान के भाषण से हुई। उन्होंने दर्शकों को विभाग की हालिया उपलब्धियों जैसे कैंपस प्लेसमेंट की संख्या, एमएससी बीएफए छात्रों हेतु 100 प्रतिशत इंटर्नशिप, सतत विकास लक्ष्यों पर ग्लोबल कॉन्क्लेव, गोल्डन जुबली एलुमनी मीट और एनएसएस डेटा निष्कर्षण और विश्लेषण आदि पर राष्ट्रीय कार्यशाला जैसे महत्वपूर्ण शैक्षणिक कार्यक्रमों के आयोजन के बारे में लोगों को अवगत कराया।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि जामिया के सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन प्रो मुस्लिम खान रहे । उन्होंने ऐसे बहुआयामी उत्सव के आयोजन हेतु छात्रों और विभागाध्यक्ष को बधाई दी क्योंकि ऐसे कार्यक्रम छात्रों के समग्र विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने जामिया के इतिहास और भारत में तीसरे रैंक वाले विश्वविद्यालय के रूप में इसकी वर्तमान एनआईआरएफ रंकिंग पर भी संक्षेप में प्रकाश डाला।

छात्र सलाहकार डॉ. वसीम अकरम ने यह कहा कि जामिया एक ऐतिहासिक संस्थान है जहां छात्रों को नई चीजें, नवाचार, दक्षता एवं उत्पादकता सीखने के बार में अनुकूल माहौल मिलता है। प्रो मूनिस शकील, डॉ. मो. जकारिया और डॉ. काशिफ ने इस अवसर अपने विचार रखे और कार्यक्रम के सफफ आयोजन हेतु अपनी शुभकामनाएं दीं।

महोत्सव में अतिथियों, संकाय सदस्यों और छात्रों की अत्यधिक भागीदारी देखी गई। जामिया के 250 से अधिक छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और यह कार्यक्रम सबके लिए बेहद यादगार एवं आनंददायक रहा।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया